

प्रशिक्षकों के लिये प्रश्नपत्र के उत्तर

मूल्यांकन (कुल अंक 100)

1. शिशु अधिक खतरे वाला है या नहीं ? नीचे लाईन खींचे। 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दें

(प्रत्येक में 2 अंक – कुल 20 अंक)

लल्लेसरी का जन्म के समय वज़न है 2.1 कि.ग्रा.

हाँ या नहीं

रामदीन का जन्म 8 महीने 20 दिन के गर्भकाल पर हुआ, वज़न 2.6 कि.ग्रा.

हाँ या नहीं

समरती को पहले दिन से स्तनपान करने में कठिनाई है

हाँ या नहीं

निवृत्ता का वज़न 1.8 कि.ग्रा. है

हाँ या नहीं

देवला का जन्म 8 महीने 4 दिन के गर्भकाल पर हुआ, पहले दिन स्तनपान करने में कठिनाई है

हाँ या नहीं

जयवंता का वज़न 2.3 कि.ग्रा., गर्भकाल 8 महीने 24 दिन

हाँ या नहीं

दूधराम का वज़न 2.8 कि.ग्रा., गर्भकाल 9 महीने 4 दिन

हाँ या नहीं

हारिनी का वज़न 2.2 कि.ग्रा., गर्भकाल 8 महीने 24 दिन

हाँ या नहीं

लालू का वज़न 2.5 कि.ग्रा., गर्भकाल 9 महीने 5 दिन

हाँ या नहीं

केवलराम का वज़न 1.7 कि.ग्रा.

हाँ या नहीं

2. जन्म के समय, कितने वज़न का शिशु कम वज़न का माना जाता है?

(5 अंक)

2 कि. 500 ग्रा. (2500 ग्रा. से कम)

समय से पूर्व जन्म किसे कहते हैं ? गर्भकाल 8 महीने 14 दिन या उससे कम

(5 अंक)

3. यदि खतरे वाले शिशु का जन्म हुआ हो, तो आशा को क्या करना चाहिए ? 3 बातें बताएँ।

(30 अंक)

क. शिशु की जाँच के लिए पहले महीने में कम से कम 13 बार उसके घर जाएँ।

ख. माता-पिता को अधिक खतरे वाले बच्चों से संबंधित प्रपत्र दें

ग. माता-पिता को अधिक खतरे वाले शिशुओं की घरेलू देखभाल और खतरे के लक्षणों के बारे में बताएँ :

- हाथ पैर लुंज-पुंज
- स्तनपान/दूध पीना बंद कर दे
- या छाती अंदर धँसी हो
- माँ को लगे कि शिशु का शरीर ठंडा है

घ. आवश्यक हो तो विशेष देखभाल करें, जैसे स्तनपान कराने में मदद करें, शिशु को गर्म रखें, दुबारा गर्मी पहुँचाएँ आदि।

4. अधिक खतरे वाले शिशु की देखभाल के बारे में, कम से कम 4 बातें बताएँ ? (40 अंक)

क. शिशु को तुरंत पोंछें, टोपी पहनाकर गर्म थैली में रखें और अपनी छाती से चिपकाकर रखें, या यदि वह बहुत छोटा हो तो माँ के शरीर की त्वचा से चिपकाकर रखें।

ख. शिशु को थोड़ी-थोड़ी देर में स्तनपान कराएँ; 2-2 घंटे पर।

ग. उसे गर्म रखें; जहाँ तक संभव हो, माँ के शरीर से चिपकाकर रखें।

घ. जब तक शिशु का वज़न 2000 ग्राम से अधिक न हो जाए उसे नहलाएँ नहीं

च. कई बार हाथ धोएँ।

छ. खतरे के लक्षण देखें और तुरंत सहायता पहुँचाएँ

- हाथ पैर लुंज-पुंज
- दूध पीना/स्तनपान बंद कर दे
- या छाती अंदर को धँसी है
- माँ को लगे कि शिशु का शरीर/हाथ-पैर ठंडे हो रहे हैं